सामाजिक विज्ञान

हमारे अतीत-2

कक्षा 7 के लिए
इतिहास की पाठ्यपुस्तक

0761

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

0761 – हमारे अतीत – 2
कक्षा 7 के लिए इतिहास की पाठ्यपुस्तक

ISBN 81-7450-755-8

प्रथम संस्करण
मई 2007 ज्येष्ठ 1929

पुनर्मुद्रण
नवंबर 2007, जनवरी 2009, दिसंबर 2009, जनवरी 2011, जनवरी 2012, अक्तूबर 2012, नवंबर 2013, दिसंबर 2014, दिसंबर 2015, दिसंबर 2016, जनवरी 2018, जनवरी 2019, अगस्त 2019, मार्च 2021

संशोधित संस्करण
जून 2022 ज्येष्ठ 1944

पुनर्मुद्रण
मार्च 2024, चैत्र 1946,

PD 75T SU

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2007, 2022

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा प्रभात पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड, सी–63, औद्योगिक क्षेत्र, साइट–ए, मथुरा – 281 001 (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पानीहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी)	:	*अमिताभ कुमार*
सहायक संपादक	:	*शशि चड्डा*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*राजेश पिप्पल*

आवरण एवं सज्जा
आर्ट क्रिएशंस

कार्टोग्राफ़ी
कार्टोग्राफ़िक डिज़ाइन एजेंसी

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाये हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नये ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितनी वार्षिक कैलेण्डर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन.सी.ई.आर.टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार नीलाद्रि भट्टाचार्य की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों,

© NCERT not to be republished

सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 नवंबर 2006

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन

कोविड-19 महामारी को देखते हुए, विद्यार्थियों के ऊपर से पाठ्य सामग्री का बोझ कम करना अनिवार्य है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020* में भी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री का बोझ कम करने और रचनात्मक नज़रिए से अनुभवात्मक अधिगम के अवसर प्रदान करने पर ज़ोर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने सभी कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित करने की शुरुआत की है। इस प्रक्रिया में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा पहले से ही विकसित कक्षावार सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखा गया है।

पाठ्य सामग्रियों के पुनर्संयोजन में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है —

- एक ही कक्षा में अलग-अलग विषयों के अंतर्गत समान पाठ्य सामग्री का होना;
- एक कक्षा के किसी विषय में उससे निचली कक्षा या ऊपर की कक्षा में समान पाठ्य सामग्री का होना;
- कठिनाई स्तर;
- विद्यार्थियों के लिए सहज रूप से सुलभ पाठ्य सामग्री का होना, जिसे शिक्षकों के अधिक हस्तक्षेप के बिना, वे खुद से या सहपाठियों के साथ पारस्परिक रूप से सीख सकते हों;
- वर्तमान संदर्भ में अप्रासंगिक सामग्री का होना।

वर्तमान संस्करण, ऊपर दिए गए परिवर्तनों को शामिल करते हुए तैयार किया गया पुनर्संयोजित संस्करण है।

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

नीलाद्रि भट्टाचार्य, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सलाहकार

कुणाल चक्रबर्ती, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सुनील कुमार, रीडर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सदस्य

अनिल सेठी, *पूर्व प्रोफ़ेसर*, सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प., नयी दिल्ली

कुमकुम रॉय, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर*, इतिहास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

केशवन वेलूथट, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, मंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलौर, कर्नाटक

चेतन सिंह, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश

नैना दास गुप्ता, लेक्चरर, इतिहास विभाग, लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

फरहत हसन, रीडर, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

भैरवी प्रसाद साहू, *प्रोफ़ेसर* तथा *विभागाध्यक्ष*, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

मिली राय, *सीनियर लेक्चरर*, सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प., नयी दिल्ली

रजत दत्ता, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

राजन गुरूकुल, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल

विजया रामास्वामी, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

शुचि बजाज, पी.जी.टी., इतिहास, स्प्रिंगडेल्स स्कूल, पूसा रोड, नयी दिल्ली

सरीला मित्र, पी.जी.टी., इतिहास, वसंत वैली स्कूल, वसंत कुंज, नयी दिल्ली

सी.एन. सुब्रहमणियम, निदेशक, एकलव्य, कोठी बाजार, होशंगाबाद, मध्य प्रदेश

हिंदी अनुवाद

अनिल सेठी, रा.शै.अ.प्र.प.

कुसुम बाँठिया, भूतपूर्व रीडर, देशबन्धु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

परशुराम, भूतपूर्व निदेशक (राजभाषा), भारत सरकार

रीतू सिंह, रा.शै.अ.प्र.प.

संजीव कुमार, *सीनियर लेक्चरर*, देशबन्धु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सीमा एस. ओझा, *लेक्चरर*, सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प., नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

रीतू सिंह, *लेक्चरर*, सा.वि.शि.वि., रा.शै.अ.प्र.प., नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

यह पुस्तक एक वर्ष के चिंतन, चर्चा, विचार-विमर्श और पुनर्लेखन का नतीजा है, जो पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के सदस्यों की योग्यता और समर्पण का प्रतिफल है। इस समय में हमने एक-दूसरे से बहुत सीखा। हमें उम्मीद है कि प्रकाशित पुस्तक चर्चा, लेखन और पुनर्लेखन के लंबे दौर के उत्साह और खुशियों को प्रतिबिंबित करती है। पुस्तक समिति के प्रत्येक सदस्य को उनकी अपनी-अपनी संस्थाओं एवं परिवारों से बहुत सहयोग और प्रोत्साहन मिला। इस अवसर पर हम उन सब को धन्यवाद देना चाहेंगे।

रा.शै.अ.प्र.प. की निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्य, प्रोफ़ेसर जे.एस. ग्रेवाल और शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर मुज़फ्फर आलम ने अनेक अध्यायों पर अपनी टिप्पणियाँ दीं और हमारी प्रत्येक समस्या को बड़ी उदारता से सुलझाया। वियना विश्वविद्यालय की प्रोफ़ेसर एबा कोच ने अपने अनेक चित्र और तस्वीरों का उपयोग करने की इजाज़त दी। दिल्ली विश्वविद्यालय के पी.जी.डी.ए.वी. कालेज की डॉ. मीरा खरे ने कुछ प्रश्नों के उत्तर देने में बहुत तत्परता दिखाई और अनेक जानकारियाँ और चित्र प्रदान करके हमारी मदद की। हम इन सबके अत्यंत आभारी हैं।

आर्ट क्रिएशन्स की ऋतु टोपा द्वारा की गई किताब की बनावट और सज्जा के लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। इस पुस्तक के मानचित्र सतीश मौर्य ने बनाए हैं। हम उनकी सहनशीलता, तत्परता और कार्य-कुशलता के लिए उनके कृतज्ञ हैं।

इस पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए हम डी.टी.पी. ऑपरेटर, गुरिन्दर सिह राय, अनिल शर्मा, ईश्वर सिह एवं विजय कौशल; कॉपी एडिटर, अंजना बख्शी; *प्रूफ रीडर*, अचल कुमार, शशि देवी तथा *कंप्यूटर इंचार्ज*, दिनेश कुमार का भी आभार व्यक्त करते हैं। इन सभी साथियों ने अपने-अपने कार्य तत्परता और कुशलता से पूरे किए।

परिषद्, इस संस्करण के पुनर्संयोजन के लिए पाठ्यक्रमों, पाठ्यपुस्तकों एवं विषय सामग्री के विश्लेषण हेतु दिए गए महत्वपूर्ण सहयोग के लिए उमेश अशोक कदम, *प्रोफ़ेसर*, सेंटर फॉर हिस्टॉरिकल स्टडीज़, जे.एन.यू., नयी दिल्ली; सुनील कुमार सिंह, *पी.जी.टी. इतिहास*, केंद्रीय विद्यालय, ए.एफ.एस., तुगलकाबाद, नयी दिल्ली; कृष्ण रंजन, *पी.जी.टी. इतिहास*, केंद्रीय विद्यालय, विकासपुरी; अर्चना वर्मा, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; श्रुति मिश्रा, *पी.जी.टी. इतिहास* एवं *विभागाध्यक्ष*, इतिहास, दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के.पुरम., नयी दिल्ली; गौरी श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष*; प्रत्यूष के. मंडल, *प्रोफ़ेसर*; सीमा एस. ओझा, *प्रोफ़ेसर*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग; मिली रॉय आनंद, *प्रोफ़ेसर*, जेंडर अध्ययन विभाग और शरद कुमार पाण्डेय, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के प्रति आभार व्यक्त करती है।

not to be republished © NCERT

चित्रों एवं मानचित्रों के लिए आभार

हम निम्न लोगों का आभार व्यक्त करते हैं।

चित्र के लिए आभार

... *दिल्ली, आगरा, जयपुर: द गोल्डन ट्रायंगल* (अध्याय 4 चित्र 1);

अशर, कैथेरीन एंड सिथिया टालबोट. *इंडिया बिफोर यूरोप,*
(अध्याय 8, चित्र 8);

अटिल, इसिन. द *ब्रश ऑफ़ दी मॉस्टर्स: ड्राइंग्स फ़्रॉम ईरान एंड इंडिया*
(पिछला आवरण);

बंद्योपाध्याय, अमियकुमार. *बंकुरार मंदिर,*
(अध्याय 7, चित्र 11, 12, 13, 14);

बेले, सी.ए.एन. *इलस्ट्रेटिड हिस्ट्री ऑफ़ मॉडर्न इंडिया*, 1600–1947
(अध्याय 8, चित्र 2, 4);

बीच, मिलो सी. एंड एबा कोच. *किंग ऑफ़ दी वर्ल्ड, द पादशाहनामा*
(अध्याय 4, चित्र 2, 3, 4, 5);

सेंटर फॉर कल्चरल रीसोर्स एंड ट्रेनिंग, नयी दिल्ली
(अध्याय 2, चित्र 4; अध्याय 7, चित्र 3, 5);

दास, अनंत. *जाट वैष्णव कथा*
(अध्याय 6, चित्र 7);

इटॉन, रीचर्ड. *सूफ़ीस ऑफ़ बीजापुर*
(अध्याय 6, चित्र 6);

इडवरडेस, माइकेल. *इंडियन टेम्पल्स एंड पैलेसेस*
(अध्याय 2, चित्र 1);

गैसकॉगानी, बामबर. द *ग्रेट मुग़ल्स*
(अध्याय 4, चित्र 6);

गोस्वामी, बी.एन. द *वर्ड इज़ सेक्रेड, सेक्रेड इज़ द वर्ड*
(अध्याय 2, चित्र 2; अध्याय 6, चित्र 1; अध्याय 7, चित्र 2);

हूजा, रीमा. *ए हिस्ट्री ऑफ़ राजस्थान*
(अध्याय 8, चित्र 5);

कोठारी, सुनील. कत्थक: *इंडियन क्लासिकल डांस आर्ट*
(अध्याय 7, चित्र 6);

लॉफोंट, जीन.मेरी. महाराजा रणजीत सिह: *लॉर्ड ऑफ़ दी फाइव रीवर्स*
(अध्याय 8, चित्र 6);

मोसेलॉस, जिम, जेकी मेंजेस, प्रतापादित्या पाल. डांसिग टू दी फ्रलूट: *म्यूजिक एंड डांस इन इंडियन आर्ट* (अध्याय 5, चित्र 1; अध्याय 6, चित्र 4, 8, 9; अध्याय 7, चित्र 8, 9);

© NCERT not to be republished

माइकल, जॉर्ज. *ऑर्किटेक्चर एंड आर्ट ऑफ़ सदर्न इंडिया*
(अध्याय 6, चित्र 2);
पाल, प्रतापादित्या. *कोर्ट पेंटिंग्स ऑफ़ इंडिया*
(अध्याय 5, चित्र 2; अध्याय 6, चित्र 3; अध्याय 7, चित्र 4, 7, 8);
सफ़ादी, वाई.एच. *इस्लामिक कैलीग्राफ़ी*
(अध्याय 1, चित्र 2);
सिह, रूपेंदर, *गुरु नानक: हिज़ लाइफ एंड टीचिंग्स*
(अध्याय 6, चित्र 11);
स्ट्राँग, सूसान. द *आर्ट्स ऑफ़ दी सिख किंग्डम्स*
(अध्याय 6, चित्र 10, पेज xii)
थैक्सटन, व्हीलर एम. (ट्रांसलेटेड, एडीटिड एंड एनोटेड), *जहाँगीरनामा, मेमोरीज़ ऑफ़ जहाँगीर, एम्परर ऑफ इंडिया* (अध्याय 4, चित्र 7);
वेल्च, स्टूअर्ट कैरी. इंडिया, *आर्ट एंड कल्चर*: 1300 –1900
(अध्याय 5, चित्र 4, 6, 7; अध्याय 6, चित्र 5);
वेल्च, स्टूअर्ट कैरी. *इम्पीरियल मुग़ल पेंटिग*
(अध्याय 1, चित्र 1);

मानचित्र के लिए आभार

श्वाट्ज़ब्र्ग, जे.ई. *ए हिस्टोरिकल एटलस ऑफ़ साउथ एशिया*
(अध्याय 1, मानचित्र 1, 2);

विभिन्न किताबों एवं एटलसों से लिए गए सम्पादित तथा प्रयोग में लाए गए मानचित्र:

अशर, केथराइन एंड सिथिया टॉलबोट. इंडिया *बिफोर यूरोप*
(अध्याय 4, मानचित्र 1);
बेले, सी.ए. *इंडियन सोसाइटी एंड दी मेकिंग ऑफ़ दी ब्रिटिश एम्पायर*
(अध्याय 8, मानचित्र 1, 2);
फरकेनबर्ग, आर.ई. (संपा.) *देहली थ्रू* द ऐजिस
(अध्याय 3, मानचित्र 1);
हबीब, इरफान. *एन एटलस ऑफ दी मुग़ल एम्पायर*
(अध्याय 5, मानचित्र 2);
श्वाट्जबर्ग, जे. ई. *ए हिस्टोरिकल एटलस ऑफ़ साउथ एशिया*
(अध्याय 1, मानचित्र 3)

© NCERT not to be republished

विषय सूची

आमुख *iii*
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन *v*
इस पुस्तक में *xii*

1. प्रारंभिक कथन: हजार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों की पड़ताल 1
2. राजा और उनके राज्य 16
3. दिल्ली: बारहवीं से पंद्रहवीं शताब्दी 30
4. मुग़ल: सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी 39
5. जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय 49
6. ईश्वर से अनुराग 62
7. क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण 80
8. अठारहवीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन 96

© NCERT not to be republished

इस पुस्तक में

प्रत्येक अध्याय को कई भागों में बाँटा गया है। इन भागों को पढ़ने, इस पर आपस में बातचीत करने और समझने के बाद ही अगले अध्याय की शुरुआत कीजिए। प्रत्येक अध्याय में निम्न पर ध्यान दीजिए।

1

परिभाषा

कुछ अध्यायों में परिभाषाएँ दी गई हैं।

2

अतिरिक्त जानकारी

बहुत से अध्यायों में रोचक जानकारी युक्त अतिरिक्त बॉक्स दिए गए हैं।

3

स्रोत बॉक्स

बहुत से अध्यायों में *स्रोत* से एक अंश दिया गया है। इन्हीं के आधार पर इतिहासकार, इतिहास लिखते हैं। इन्हें ध्यान से पढ़कर, इनमें दिए गए प्रश्नों पर चर्चा कीजिए।

हमारे बहुत सारे *स्रोत*, चित्रों के रूप में हैं। प्रत्येक *चित्र* की अपनी एक कहानी है।

4

आपको कुछ अध्यायों में मानचित्र भी मिलेंगे। इन्हें ध्यानपूर्वक देखकर अपने अध्याय में बताए गए स्थानों को ढूँढिए।

5

?

प्रत्येक अध्याय में कुछ अंतर्निहित प्रश्न एवं क्रियाकलाप दिए गए हैं, जिन्हें विशेष रूप से दर्शाया गया है। इन पर विचार-विमर्श के लिए कुछ समय दीजिए।

© NCERT not to be republished

6

कल्पना करें

एक छोटा-सा खंड है 'कल्पना करें'
अब आपकी बारी है अतीत में जाकर
उस समय में जीवन का जायज़ा लेने की।

7

बीज शब्द

प्रत्येक अध्याय के अंत में आपको बीज शब्दों की एक सूची मिलेगी। ये आपको अध्याय में आए महत्त्वपूर्ण विचारों/विषयों की फिर से याद दिलाएँगे।

8

प्रत्येक अध्याय के अंत में विभिन्न तरह के कार्यकलाप दिए गए हैं – **फिर से याद करें, आइए समझें, आइए विचार करें तथा आइए करके देखें।**

इस तरह आपके पढ़ने, देखने, सोचने और करने के लिए इस पुस्तक में बहुत कुछ है। हमें पूरी आशा है कि आपको इसमें बहुत खुशी मिलेगी।

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished